पश्चिमांचल विभा

अप्रैल- सितंबर 2021
(संयुक्तांक)

अंक-2

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

हिंदी दिवस 2021 विशेषांक

इस अंक में.....

- अंचल प्रमुख का संदेश
- क्षेत्रीय प्रमुख का संदेश
- मंडल प्रबंधकों का संदेश
- संपादकीय
- कविता - कोशिश करने वालों की हार नहीं होती
- नराकास—एक भूमिका
- प्रेरक कहानी- गुरू दक्षिणा
- कविता- हौसला — श्री बी एल मीना
- आलेख - कंठस्थ - श्री गोपीनाथ मेहेर
- राजभाषा नियम –1976 के तहत क ख एवं ग क्षेत्र
- परिचर्चा कार्यक्रम
- हीराकुद बांध
- हिंदी माह 2021 का आयोजन
- समीक्षा बैठक
- कवि परिचय- राष्ट्रकवि रामधारी सिंह "दिनकर"
- सहायक सामग्री
- लोककथा - परनिंदा का पाप
- कविता - संघर्ष - श्रीमती अपराजिता कुजुर

संरक्षक

श्री बी एल मीना

महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख

अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

प्रधान संपादक

श्री अजीत कुमार जग्गा

सहा.महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

मार्गदर्शन

श्री एस के नाएक

श्री विकास कुमार राव

मंडल प्रबंधक

संपादक

श्री विश्वनाथ प्रसाद साहू

अधिकारी (राजभाषा)

संपादन सहयोग

क्षेत्रीय कार्यालय एवं क्षेत्राधीन समस्त स्टाफ सदस्य

आवरण पृष्ठ में हीराकुद बांध के भीतर प्रवेश द्वार

महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय केनराइट्स,

आप सभी के सम्मुख क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर की पत्रिका ***"पश्चिमांचल विभा"*** का दूसरा अंक प्रस्तुत है। इस अंक में हिंदी के सभी पहलूओं, राजभाषा के संबंध में अपेक्षाओं, हिंदी माह एवं दिवस के आयोजन, कविताओं, प्रेरणादायक कहानियों, बैंक के उत्पादों आदि को समाहित किया गया है, मुझे पूरा विश्वास है कि यह पत्रिका राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। बैंकिंग कार्यकलापों को राजभाषा से जोड़कर ही उन्नति की परिकल्पना की जा सकती है। नीति वचन के अनुसार,

"सफलता का पहला सिद्धांत है कार्य- अनवरत कार्य"

हमारा अंचल बैंक के विकास के हेतु सभी मानदंडों में सक्रियता एवं प्रभावी रूप से अग्रसर है। मेरी सभी कर्मचारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे प्रतिबद्धता, समर्पणयुक्त प्रयास एवं शाखा के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए बैंक की प्रगति में हिस्सेदार बने। मैं संपादक मंडल को सफल प्रकाशन के साधुवाद ज्ञापित करता हूँ।

अनंत शुभकामनाओं के साथ,

(बी एल मीना)

महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

सहायक महाप्रबंधक एवं क्षेत्र प्रमुख का संदेश,

प्रिय साथियों,

हमारे क्षेत्र की हिंदी पत्रिका "पश्चिमांचल विभा" का दूसरा अंक आपको सौंपते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह पत्रिका हमारे क्षेत्र की राजभाषा की प्रगति का दर्पण है। हमारे बैंक को भी हिंदी दिवस 2021 के उपलक्ष्य पर **"ग"** क्षेत्र में पत्रिका श्रेणी के लिए हमारे बैंक की गृह पत्रिका केनरा ज्योति को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किया गया, जो हमारे लिए गर्व की विषय है। हमने कोशिश किया है कि हिंदी के वैधानिक पहलुओं के साथ-साथ साहित्य को भी समुचित समाहार करें। हमें पूरी अपेक्षा है कि आप हमारी इस पहल से लाभान्वित होंगे। इसके इतर हम वित्तीय वर्ष की तिसरी तिमाही में कदम रख रहे हैं, हमारे बैंक ने पिछली तिमाही में लाभ दर्ज किया है, जिसमें हमारे क्षेत्र ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बैंक के विकास में अहम भूमिका निभाई है। इस तिमाही में भी सफलता अर्जित करने के लिए कारोबार के निरंतर विकास के लिए उसी लय के साथ आगे बढ़ने प्रत्येक कार्मिक की सक्रिय सहभागिता की आवश्यकता है।

मैं आशा करता हूँ कि प्रत्येक कार्मिक अपना दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करते हुए बैंक के कारोबार में अपनी महती भूमिका निभाएगा और विभिन्न अभियानों जैसे कासा, रिटेल लोन, सरकारी योजनाओं संबंधी उत्पादों, वसूली आदि एवं उच्च प्रबंधन के आह्वान को आत्मसात करते हुए पूर्ण समर्पण भाव से अपना निष्पादन करेगा।

अनेकानेक शुभकामनाओं के साथ,

(अजीत कुमार जग्गा)

सहायक महाप्रबंधक एवं क्षेत्र प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

मंडल प्रबंधक का संदेश

प्रिय केनेराइट्स,

हमारे कार्यालय की पत्रिका “पश्चिमांचल विभा” के द्वितीय अंक का सफल प्रकाशन क्षेत्र की राजभाषा प्रति सक्रियता को इंगित करता है। इस अंक में हिंदी दिवस समारोह के दौरान आयोजित की गई गतिविधियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है और साथ ही बैंक की अन्य गतिविधियों को भी तरजीह दी गई है।

हमारा बैंक कारोबार के विकास में उत्तरोत्तर विकास कर रहा है। यह आप सबके परिश्रम से ही संभव हुआ है। हमारा कार्य हमारी पहचान है और सदैव प्रयासरत रहना हमारा कर्तव्य, इस कथन का समर्थन स्पष्ट रूप से **शिवमंगल सिंह सुमन** की पंक्तियां करती हैं:

गति प्रबल पैरों में भरी
फिर क्यों रहूं दर दर खडा
जब आज मेरे सामने
है रास्ता इतना पडा
जब तक न मंजिल पा सकूँ,
तब तक मुझे न विराम है,
चलना हमारा काम है।

आशा है यह पंक्तियां आपमें ऊर्जा का संचार करेंगी।

शुभकानाओं सहित,

(सुशांत कुमार नाएक)
मंडल प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर

मंडल प्रबंधक का संदेश,

प्रिय केनेराइट्स,

संबलपुर में संभावना का अंबार है, हमने कारोबार में प्रगति तो दर्ज की है साथ में बैंक के विकास के लिए भी भर्सक प्रयास किया है। हमारा कार्यालय चहुंमुखी विकास करते हुए विकास के पथ पर अग्रसर है। हमने बैंकिंग के राह में आने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया है और कोरोना जैसी विषम परिस्थिति में भी उच्चतम ग्राहक सेवा और बैंक के मूल्यों का निर्वहन किया है। मैं **पश्चिमांचल विभा** के इस अंक को आप सबकी मेहनत को समर्पित करता हूँ। इस अंक को बहुत ही आकर्षक रूप से ई-माध्यम में प्रकाशित किया गया है। हमारी इस पत्रिका को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अंचल कार्यालय, प्रधान कार्यालय एवं गृह मंत्रालय के वेबसाइट में भी अपलोड किया जाता है। हमारी पत्रिका में कर्मचारियों द्वारा अपने आलेख प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जो अपेक्षाकृत कम हैं, मैं आग्रह करता हूँ कि आपके आलेख, कविता, चित्रकारी एवं अन्य को प्रकाशन के लिए भेजें। इससे राजभाषा कार्यान्वयन को गति मिलने के साथ ही साथ संबंधित कार्मिकों का व्यक्तित्व विकास भी होगा।

साथ में, यह भी आग्रह करता हूँ कि कर्मचारी अपनी शाखा के विकास में कारोबारिक मानदंडों की प्राप्ति के लिए सक्रिय रूप से सहयोग करें और बैंक के हित में अपना बहूमूल्य योगदान करें।

शुभकामनाओं सहित,

विकास कुमार राव

मंडल प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर

संपादकीय

प्रिय साथियों,

हमारे क्षेत्रीय कार्यालय की गृह-पत्रिका पश्चिमांचल विभा का द्वितीय अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। यह अंक एक संयुक्तांक है और विशेषांक भी। संयुक्तांक अर्थात् अप्रैल-जून तिमाही और जुलाई-सितंबर 2021। विशेषांक में हिंदी माह एवं हिंदी दिवस की संपूर्ण झलकियां प्रस्तुत की गई हैं। इस अंक में राजभाषा से जुड़े लेख, कविताएं. कवि परिचय आदि का संकलन है। इसके अलावे, सहायक सामग्री के रूप में बैंक में काम आने वाले पदनाम, टिप्पण आदि भी शामिल किए गए हैं। राजभाषा विभाग की अनुवाद के लिए की गई पहल **"कंठस्थ"** सॉफ्टवेयर की विशेषताओं का भी उल्लेख किया गया है। मैं शुक्रगुजार हूँ हमारे महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री बी एल मीना जी का जिन्होंने अपनी कविता हमारी पत्रिका में प्रकाशित करने की अनुमति दी, उनकी कृति इस अंक को और भी विशेष बनाती है।

हमारी पत्रिका ***"पश्चिमांचल विभा"*** के पहले अंक को गृह मंत्रालय की वेबसाइट में अपलोड करने के साथ साथ हमारे बैंक की वेबसाइट में रखा गया है। मैं पाठकों से अनुरोध करता हूँ कि इसे पढ़ें एवं अपना फीडबैक अवश्य दें ताकि भविष्य में हमारी पत्रिका को और भी आकर्षक बनाया जा सके।

राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन में आपके सहयोग की अपेक्षा के साथ,

(विश्वनाथ प्रसाद साहू)

अधिकारी (राजभाषा)

आलेख

संकलन- श्री ब्यासनाथ देव,
अधिकारी, सा प्र अनुभाग

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) - एक भूमिका

"नराकास" का गठन:

राजभाषा विभाग के दिनांक 22.11.1976 के का. ज्ञा.सं. 1/14011/12/76-रा.भा.(का-1) के अनुसार देश के उन सभी नगरों में जहां केंद्रीय सरकार के 10 या इससे अधिक कार्यालय हों, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा सकता है। समिति का गठन राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर भारत सरकार के सचिव (राजभाषा) की अनुमति से किया जाता है।

अध्यक्षता:

इन समितियों की अध्यक्षता नगर विशेष में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि के वरिष्ठतम अधिकारियों में से किसी एक के द्वारा की जाती है। अध्यक्ष को राजभाषा विभाग द्वारा नामित किया जाता है। नामित किए जाने से पूर्व प्रस्तावित अध्यक्ष से समिति की अध्यक्षता के संबंध में लिखित सहमति प्राप्त की जाती है।

सदस्यता:

नगर में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालय/उपक्रम/बैंक आदि अनिवार्य रूप से इस समिति के सदस्य होते हैं। उनके वरिष्ठतम अधिकारियों(प्रशासनिक प्रधानों) से यह अपेक्षा की जाती है कि वे समिति की बैठकों में नियमित रूप से भाग लें।

सदस्य- सचिव:

समिति के सचिवालय के संचालन के लिए समिति के अध्यक्ष द्वारा अपने कार्यालय से अथवा किसी सदस्य कार्यालय से एक हिंदी विशेषज्ञ को उसकी सहमति से समिति का सदस्य-सचिव मनोनीत किया जाता है। अध्यक्ष की अनुमति से समिति के कार्यकलाप सदस्य-सचिव द्वारा किए जाते हैं।

बैठकें:

इन समितियों की वर्ष में दो बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक समिति की बैठकें आयोजित करने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा एक कैलेंडर रखा जाता है जिसमें प्रत्येक समिति की बैठक हेतु एक निश्चित महीना निर्धारित किया जाता है। इन बैठकों के आयोजन संबंधी सूचना समिति के गठन के लिए समय दी जाती है और निर्धारित महीनों में समिति को अपनी बैठकें करनी होती हैं।

प्रतिनिधित्व:

इन समितियों की बैठकों में नगर विशेष में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि के प्रशासनिक प्रधान भाग लेते हैं। राजभाषा विभाग (मुख्यालय) एवं इसके क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के अधिकारी भी इन बैठकों में राजभाषा विभाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। नगर स्थित केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद की शाखाओं में से किसी एक प्रतिनिधि एवं हिंदी शिक्षण योजना के किसी एक अधिकारी को भी बैठक में आमंत्रित किया जाता है।

उद्देश्य:

केंद्रीय सरकार के देश भर में फैले हुए कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के मार्ग में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक संयुक्त मंच की आवश्यकता महसूस की गई ताकि वे मिल बैठकर सभी कार्यालय/उपक्रम/बैंक आदि चर्चा कर सकें। फलत: नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के गठन का निर्णय लिया गया। इन समितियों के गठन का प्रमुख उद्देश्य केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा करना, इसे बढ़ावा देना और इसके मार्ग में आई कठिनाइयों को दूर करना है।

ଔ0ଛ

हौसला

संघर्ष के मार्ग पर जो वीर चलता है,

वही इस संसार को बदलता है ।

जिसने अंधकार, मुसीबत और खुद से जंग जीती,

सूर्य बनकर वही चमकता है।

रख हौसला वो मंजर भी आएगा,

प्यासे के पास चलकर समंदर भी आएगा।

थककर ना बैठ मंजल के मुसाफिर,

मंजिल भी मिलेगी और मिलने का मजा भी आएगा।

न पूछो कि मेरी मंजिल कहाँ है,

अभी तो सफर का इरादा किया है।

न हारूँगा हौसला उम्रभर,

ये मैंने किसी से नहीं खुद से वादा किया है।

ও০ঙ

(बी एल मीना)

महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख,

अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

आलेख

कंठस्थ

संकलन- श्री गोपीनाथ मेहेर,
अधिकारी,
एएफ एवं पीएस अनुभाग

ट्रांसलेशन मेमोरी (टी.एम.) मशीनसाधित अनुवाद प्रणाली का एक भाग है जिससे अनुवाद की प्रक्रिया में सहायता मिलती है। ट्रांसलेशन मेमोरी वस्तुतः एक डेटाबेस है जिसमें स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उन वाक्यों के अनुवादित रूप को एक साथ रखा जाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित इस सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में किए गए अनुवाद को किसी नई फाइल के अनुवाद के लिए पुनःप्रयोग कर सकता है। यदि अनुवाद की नई फाइल का वाक्य टी.एम. के डेटाबेस से पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से मिलता है तो यह सिस्टम उस वाक्य के अनुवाद को टी.एम. से लाता है। ट्रांसलेशन मेमोरी डेटाबेस बनाने के लिए स्रोत भाषा के वाक्यों एवं लक्षित भाषा में उनके अनुवादित वाक्यों का विश्लेषण किया जाता है। अनुवाद के लिए सिस्टम का निरंतर प्रयोगकरते रहने से टी.एम. का डेटाबेस उतरोत्तर बढ़ता रहता है।

टी.एम. का डेटाबेस दो प्रकार का होता है : ग्लोबल ट्रांसलेशन मेमोरी (जी.टी.एम.) तथा लोकल ट्रांसलेशन मेमोरी (एल.टी.एम.)। एल.टी.एम. प्रत्येक अनुवादक के कम्प्यूटर पर अलगअलग होती है, जबकि जी.टी.एम. एक सामूहिक डेटाबेस है जोकि राजभाषा विभाग के सर्वर पर उपलब्ध है। परीक्षण के पश्चात् विभिन्न एल.टी.एम. जी.टी.एम. का भाग बन जाती हैं।

ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है।

ଓଠ୦ଛ

राजभाषा नियम, 1976

हिंदी के अनुमानित ज्ञान के आधार पर देश के राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को तीन क्षेत्रों, यथा - क, ख, ग में परिभाषित किया गया है

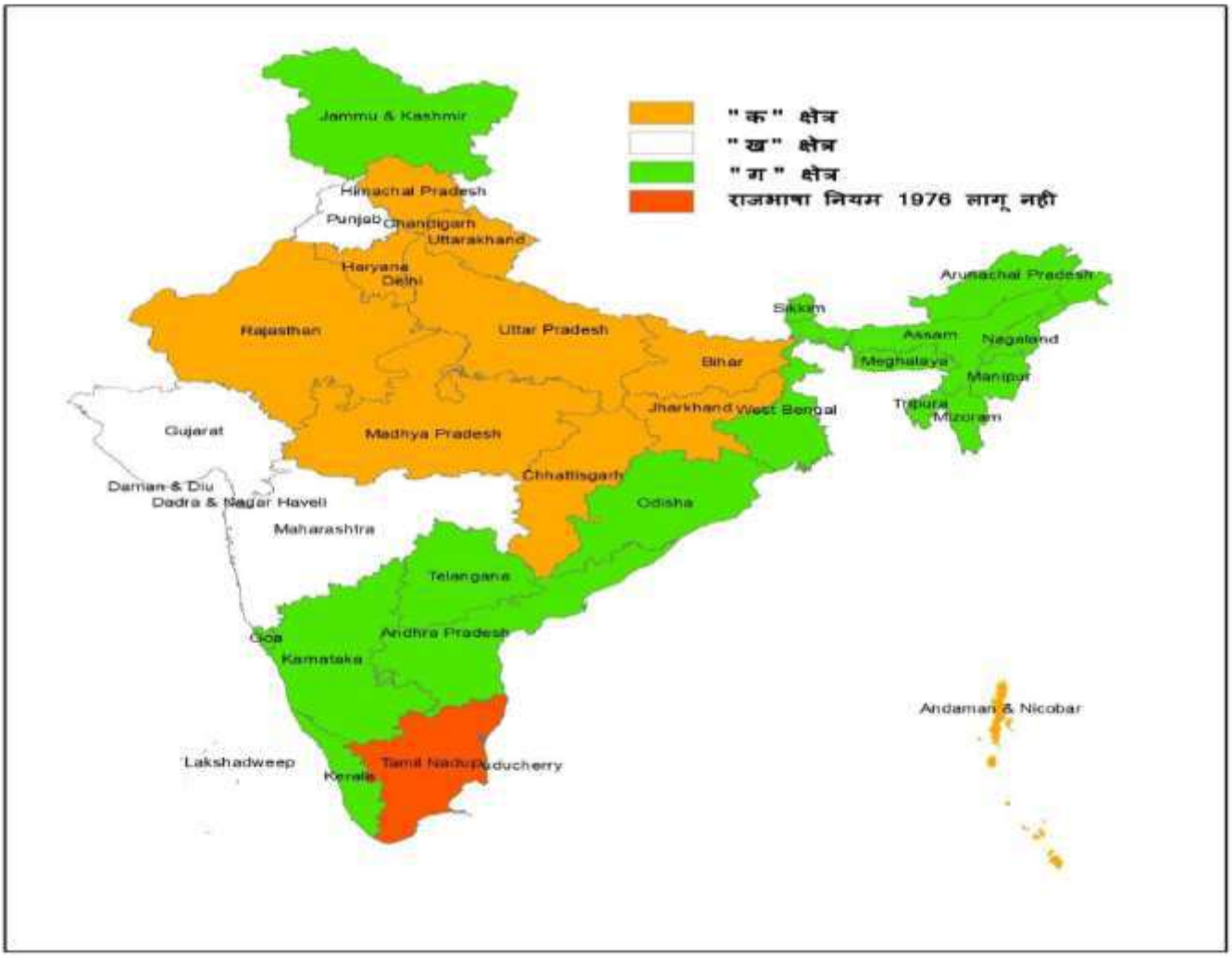

- हिंदी के अनुमानित ज्ञान के आधार पर देश के राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को तीन क्षेत्रों, यथा - क, ख, ग में परिभाषित किया गया है।

भाषा क्षेत्र	राज्य/संघ राज्य
'क'	बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्य तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य हैं
'ख'	गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमण और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य
'ग'	उपरोक्त निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य

स्रौत- राजभाषा विभाग की वेबसाइट

हिंदी में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन

प्रधान कार्यालय के निर्देशों के अनुसार, स्टाफ सदस्यों में राजभाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक तिमाही एक बैंकिंग विषय निर्धारित किया जाता है और उस विषय पर हिंदी में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। हमारे क्षेत्र में प्रत्येक तिमाही परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

जून 2021 तिमाही के लिए दिनांक 22.06.2021 को "दबावग्रस्त आस्तियों की पहचान और उनका प्रबंधन" विषय पर हिन्दी में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन बौध शाखा में किया गया। जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

सितंबर 2021 तिमाही के लिए दिनांक 28.09.2021 को **"सरकार द्वारा प्रायोजित बचत एवं बीमा योजनाएं- महत्ता व कार्यान्वयन"** विषय पर हिन्दी में परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन राजगांगपुर शाखा में किया गया।

हीराकुद बांध

संबलपुर से 15 किलोमीटर की दूरी पर दुनिया का सबसे लंबा मिट्टी का बांध "हिराकुद बांध" स्थित है। यह बांध महानदी पर बनाया गया है, जो ओडिशा राज्य में प्रवाहित होने वाली मुख्य नदियों में से एक है। इस बांध का निर्माण 1947 में भारत की आजादी के बाद पहली बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना के तहत हुआ। इसका कुल क्षेत्रफल 1,33,090 वर्ग किमी है, मुख्य हिराकुद बांध की कुल लंबाई 4.8 किमी (3.0 मील) है, जो बाईं ओर लक्ष्मीडूंगरी पहाड़ियों और दाईं ओर चंदिली डूंगरी पहाड़ियों में फैला है।

लाखों पर्यटक हिराकुद बांध के इंजीनियरिंग चमत्कार को देखने के लिए आते हैं। इस बांध के निकट गांधी मीनार और नेहरू मीनार स्थित है, गांधी मीनार, विशेष रूप से एक पहाड़ी के ऊपर स्थित एक प्रहरीदुर्ग है, जो हिराकुद बांध का विहंगम दृश्य प्रस्तुत करती है। बांध के नीचे स्थित सुंदर जवाहर उद्यान पर्यटन का एक और पड़ाव है। 21 किलोमीटर का तटबंध प्राकृतिक वातावरण का एक अनोखा अनुभव प्रदान करता है। जलाशय एशिया की सबसे बड़ी कृत्रिम झील है, जिसमें 640 किलोमीटर से अधिक की तटरेखा है जो देश भर के पर्यटकों को आकर्षित करती है। जहाँ के विशाल जलभंडार में विदेशी पक्षी भी आते हैं, इसलिए हीराकुद बांध, उत्साही लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है।

हिराकुड बांध महानदी नदी के प्रवाह को नियंत्रित करता है और बिजली का उत्पादन करता है। बांध देश के लिए बिजली उत्पादन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

क्षेत्रीय कार्यालय,संबलपुर में हिंदी माह 2021 का आरंभ

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निदेशों एवं राजभाषा अनुभाग, प्रधान कार्यालय के दिशानिर्देशों के अनुपालन हमारे क्षेत्रीय कार्यालय,संबलपुर में दिनांक 01.09.2021 को हिंदी माह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर हमारे क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक श्री अजीत कुमार ने सर्वप्रथम हमारे बैंक की गृह पत्रिका ***"केनरा ज्योति"*** को **"ग"** क्षेत्र के लिए पत्रिका श्रेणी में राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के लिए संपादन टीम एवं राजभाषा अनुभाग को शुभकामनाएं ज्ञापित किया। साथ ही सभी स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए हिंदी माह के सफल आयोजन में सहयोग का आह्वान किया गया तथा हिंदी में टिप्पण लिखने, मसौदा तैयार करने, यूनिकोड में टंकण करने आदि दैनिक कार्य में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के निर्देश दिए। इस दौरान, क्षेत्रीय कार्यालय के दोनों मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नायक, एवं श्री विकास कुमार राव तथा समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक श्री अजीत कुमार का संबोधन एवं प्रोत्साहन।

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के समस्त स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति।

क्षेत्र में हिंदी माह के दौरान प्रतियोगिता/ गतिविधियों का आयोजन

सितंबर माह में शाखाओं /क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्यों एवं कार्यपालकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें कार्मिकों ने रूचि दिखाई एवं अपनी सहभागिता दर्ज की।

हिंदी माह के दौरान आयोजित की गई गतिविधियां/प्रतियोगिता संबंधी विवरण—

प्रतियोगिता का नाम	तारीख एवं समय	पात्रता
हिंदी माह का शुभारंभ	01.09.2021	संबलपुर क्षेत्र
कंप्यूटर पर यूनिकोड इंस्टालेशन अभियान	01.09.2021 से 06.09.2021	क्षेत्राधीन सभी शाखाएं एवं कार्यालय
हिन्दी टंकण प्रतियोगिता	07.09.2021 सायं 4 से 5 बजे तक	क्षे.का. के स्टाफ सदस्य
ऑनलाइन हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	08.09.2021 सायं 4 से 5 बजे तक	क्षेत्रीधीन सभी शाखाओं/ कार्यालयों के स्टाफ सदस्य
राजभाषा कार्यान्वयन की बैठक	13.09.2021	क्षे.का.,संबलपुर
आइये ! हिंदी में हस्ताक्षर करें	14.09.2021	क्षे.का.,संबलपुर
ऑनलाइन टिप्पण लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	14.09.2021	क्षेत्र के कार्यपालकों के लिए
हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह	14.09.2021	क्षे.का.,संबलपुर एवं क्षेत्रीधीन सभी शाखा/ कार्यालय
हिंदी में परिचर्चा कार्यक्रम	28.09.2021	राजगांगपुर शाखा
फाईलों पर द्विभाषी विषय लेखन अभियान	17.09.2021 से 30.09.2021	क्षे.का., संबलपुर एवं क्षेत्रीधीन सभी शाखा/ कार्यालय

आइये! हिंदी में हस्ताक्षर करें

हिंदी माह के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं/ कार्यक्रमों के आयोजन के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर में दिनांक 14.09.2021 को "आइये ! हिंदी में हस्ताक्षर करें" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार जग्गा एवं अन्य स्टाफ सदस्य हिंदी में हस्ताक्षर करते हुए

आइये! हिंदी में हस्ताक्षर करें

मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नाएक एवं अन्य स्टाफ सदस्य हिंदी में हस्ताक्षर करते हुए

आइये! हिंदी में हस्ताक्षर करें

मंडल प्रबंधक श्री विकास कुमार राव एवं अन्य स्टाफ सदस्य हिंदी में हस्ताक्षर करते हुए

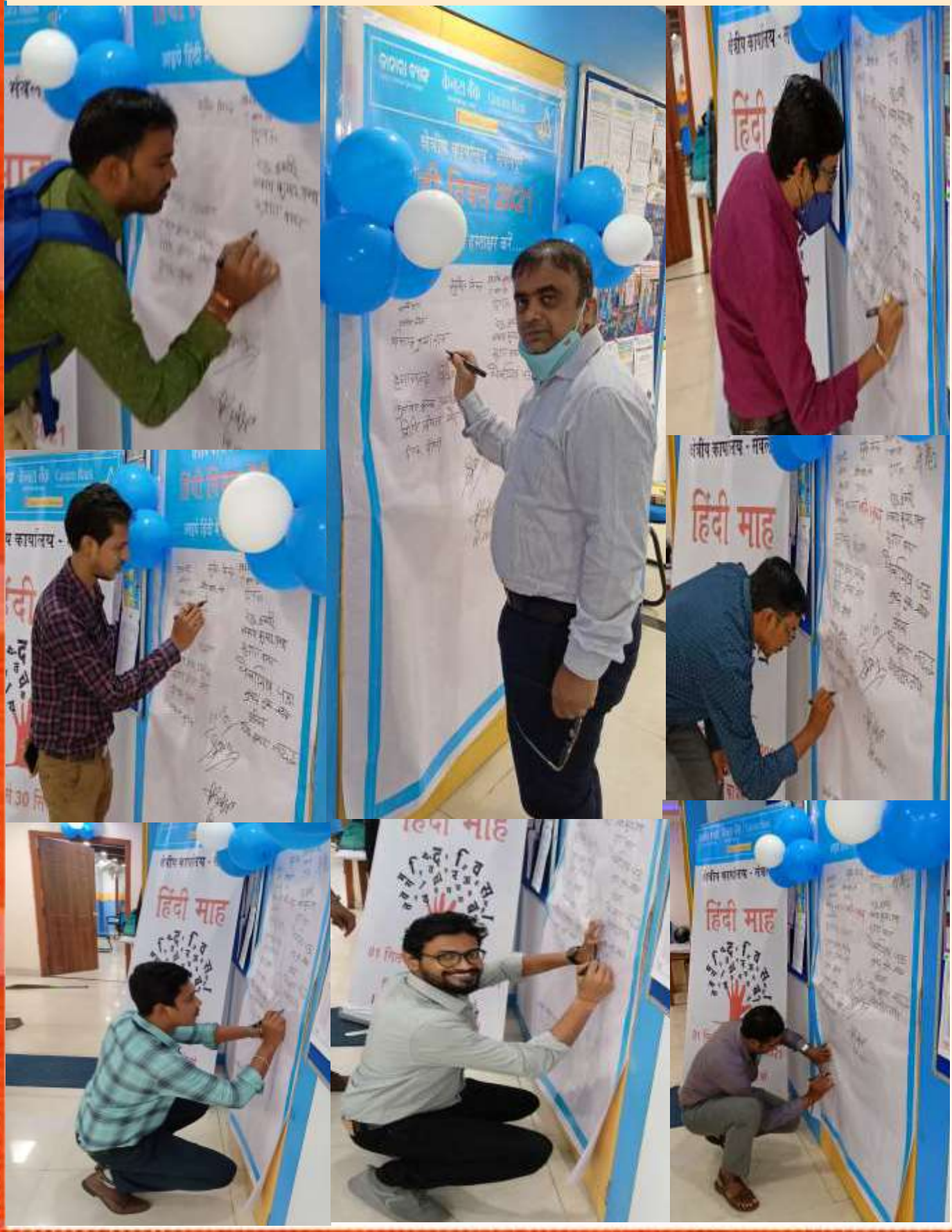

क्षेत्रीय कार्यालय,संबलपुर में हिंदी दिवस समारोह 2021

दिनांक 14.09.2021 को हमारे कार्यालय में हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण 2021 समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आरंभ हमारे संस्थापक स्व. श्री अम्मेबाल सुब्बाराव पै को माल्यार्पण से करके किया गया। तत्पश्चात क्षेत्रीय प्रमुख एवं क्षेत्र के कार्यपालकों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने दीप प्रज्जवलन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हमारे क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक श्री अजीत कुमार जग्गा जी ने की। कार्यक्रम में मंडल प्रबंधक श्री एस के नायक जी, श्री विकास कुमार राव जी एवं आरएएच के मंडल प्रबंधक श्री मनमोहन मुआखिया जी तथा क्षेत्रीय कार्यालय संबलपुर, एमएसएमई संबलपुर, आरएएच संबलपुर के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम राजभाषा अधिकारी श्री विश्वनाथ प्रसाद साहू, द्वारा अध्यक्ष, कार्यपालकों एवं उपस्थित सभी स्टाफ सदस्यों का स्वागत किया। इसके पश्चात, दैनिक कार्यों में राजभाषा के महत्व को बताया और क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा के कार्यान्वयन की स्थिति से अवगत कराया। राजभाषा अधिकारी द्वारा सूचित किया कि हमारे बैंक को भाषाई क्षेत्र "ग" के तहत पत्रिका श्रेणी में राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ है, बैंक की ओर से हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने विज्ञान भवन, दिल्ली में शील्ड प्राप्त किया। जिसका सीधा प्रसारण डीडी नेशनल पर किया गया। जिसके छायाचित्र सभागार के टीवी पर प्रस्तुत किए। इसके अलावा, यह भी सूचित किया कि हमारे क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर को अंचल का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय कार्यालय के रूप में पुरस्कृत किया गया है।

मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नायक जी ने राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति के संदर्भ में बताते हुए सबको इसकी महत्ता के बारे में बताया। मंडल प्रबंधक श्री विकास कुमार राव जी ने हिंदी की वर्तमान स्थिति के संबंध में वस्तुस्थिति की जानकारी दी एवं दैनिक कार्यों में हिंदी के सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के लिए राजभाषा टीम को बधाई दी तथा हमारे क्षेत्र को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय कार्यालय का पुरस्कार प्राप्त होने पर सबका आभार व्यक्त किया। अंत में, प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया और कार्यक्रम का समापन हुआ।

क्षेत्रीय कार्यालय,संबलपुर में हिंदी दिवस समारोह 2021 की झलकियां

हिंदी माह के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम

दिनांक 14.09.2021 को कार्यपालकों के लिए आयोजित ऑनलाइन टिप्पण लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता

पुरस्कार	कार्यपालक का नाम	पदनाम	शाखा/कार्यालय
प्रथम	श्री विकास कुमार राव	मंडल प्रबंधक	क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर
द्वितीय	श्री सुशांत कुमार नाएक	मंडल प्रबंधक	क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर
तृतीय	श्री एस एस परमार	मुख्य प्रबंधक	राउरकेला मुख्य, शाखा

दिनांक 07.09.2021 को आयोजित किए गए हिंदी टंकण प्रतियोगिता के

हिंदी भाषी श्रेणी

पुरस्कार	कार्मिक का नाम	पदनाम	शाखा/कार्यालय
प्रथम	श्री अमित कुमार प्रमाणिक	प्रबंधक	सामान्य प्रशासन अनुभाग
द्वितीय	श्रीमती रेणु कुमारी	अधिकारी	सीआरएम अनुभाग

हिंदीतर भाषी श्रेणी

पुरस्कार	कार्मिक का नाम	पदनाम	शाखा/कार्यालय
प्रथम	श्री आशीष कुमार साहू	अधिकारी	सामान्य अग्रिम अनुभाग
प्रथम	श्रीमती प्रीति प्रतिमा सोए	एसडब्लयूओ "ए"	सामान्य प्रशासन अनुभाग
द्वितीय	श्री हेमानंद बिश्वाल	प्रबंधक	सीआरएम अनुभाग
द्वितीय	श्रीमती राजश्री पुरोहित	अधिकारी	सामान्य अग्रिम अनुभाग
तृतीय	श्रीमती सुश्री सुरोविता पुरोहित	अधिकारी	सामान्य अग्रिम अनुभाग
प्रोत्साहन	श्री गोपिनाथ मेहेर	अधिकारी	एएफपी एवं एस अनुभाग
प्रोत्साहन	श्री घनश्याम बुडेक	अधिकारी	एएफपी एवं एस अनुभाग

दिनांक 08.09.2021 को आयोजित किए गए ऑनलाइन प्रतियोगिता के

पुरस्कार	कार्मिक का नाम	पदनाम	शाखा/कार्यालय
प्रथम	श्री श्रीकांत प्रधान	अधिकारी	एसएमई सुलभ, संबलपुर
द्वितीय	श्री प्रियतोष पधान	प्रबंधक	पर्लिमाल
तृतीय	श्री रोशन टेटे	प्रबंधक	गोमारडीह माईन्स
प्रोत्साहन	श्री प्रकाश कुमार सिंह	प्रबंधक	बीपीयूटी, राउरकेला
प्रोत्साहन	सुश्री प्रियंका सिन्हा	अधिकारी	एसएमई झारसुगुड़ा
प्रोत्साहन	श्री उत्तम कुमार खाखा	एसडब्लयूओ	कंटाभांजी

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के सभागार में दिनांक 14.09.2021 को पुरस्कार वितरण समारोह 2021

राजभाषा अक्षय योजना एवं राजभाषा पुरस्कार योजना 2021 के तहत पुरस्कार वितरण

प्रथम पुरस्कार -अएंठापाली शाखा

प्रथम पुरस्कार—सामान्य अग्रिम अनुभाग

द्वितीय पुरस्कार— राजगांगपुर शाखा

तृतीय पुरस्कार— आरएएच संबलपुर

केनरा बैंक राजभाषा पुरस्कार योजना के तहत पुरस्कार प्राप्त करते हुए 1. श्री आशीष कुमार साहू, क्षेका संबलपुर 2. सुश्री निवेदिता हलदार, एसडब्ल्यूए, एसएमई राउरकेला 3. श्री सौरव पुरोहित, प्रबंधक, आरएएच, संबलपुर

हिंदी माह 2021 का समापन

हिंदी माह के दौरान विभिन्न अभियानों, प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के स्टाफ सदस्यों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। हमारे कार्यालय को केनरा बैंक राजभाषा अक्षय योजना के तहत अंचल का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय कार्यालय के रूप में चिन्हित कर पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त, केनरा बैंक राजभाषा अक्षय योजना एवं राजभाषा पुरस्कार योजना के तहत शाखाओं एवं स्टाफ सदस्यों को पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं राजभाषा अनुभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा शील्ड एवं प्रमाण-पत्रों की आपूर्ति के अनुसार पुरस्कार वितरण किया गया। सीआईबीएम द्वारा दिनांक 01.09.2021 को केनडल के माध्यम से आयोजित की गई ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अंचल में कार्यालय के मंडल प्रबंधक श्री सुशांत कुमार नायक को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। अंततः दिनांक 30.09.2021 को हिंदी माह का समापन हुआ।

क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर को पुरस्कृत शील्ड के साथ क्षेत्रीय प्रमुख, कार्यपालक एवं अन्य स्टाफ सदस्य

राजभाषा कक्ष,सामान्य प्रशासन अनुभाग, क्षेत्रीय कार्यालय,संबलपुर

दिनांक – 05.08.2021 को आयोजित शाखाओं की व्यवसायिक समीक्षा बैठक – संक्षिप्त रिपोर्ट

दिनांक 05.08.2021 को संबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत आने वाली शाखाओं की व्यवसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस समीक्षा बैठक में अंचल कार्यालय भुवनेश्वर से पधारे महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, श्री बी एल मीना जी एवं सहायक महाप्रबंधक श्री प्रकाश प्रधान जी द्वारा शाखाओं के व्यवसाय की समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार जी, मंडल प्रबंधक श्री एस के नायक जी, श्री विकास कुमार राव जी के साथ-साथ आरएएच, संबलपुर के मंडल प्रबंधक श्री मनमोहन मुआखिआ जी तथा सभी शाखाओं/कार्यालयों के प्रभारी उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में बैंक के कारोबार में वृद्धि के लिए सभी मानदंडों पर अपना शत् प्रतिशत योगदान देने का आह्वान किया एवं अन्य प्रशासनिक, व्यावसायिक, ग्राहक सेवा आदि विषयों पर अपना मार्गदर्शन दिया। अंचल कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में संबलपुर क्षेत्र के तहत कृषि क्षेत्र में संभावनाओं पर जोर दिया। क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार जी ने संबलपुर क्षेत्र की विभिन्न मानदंडों में स्थिति को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया।

दैनिक बैंकिंग में प्रयोग में आने वाली सहायक सामग्री

Circle Head	>	अंचल प्रमुख
Regional Head	>	क्षेत्रीय प्रमुख
Executive	>	कार्यपालक
Overseeing Executive	>	पर्यवेक्षी कार्यपालक
Section Head	>	अनुभाग प्रमुख
Section In-Charge	>	अनुभाग प्रभारी
Branch Head	>	शाखा प्रमुख
Branch In-Charge	>	शाखा प्रभारी

General Manager	>	महा प्रबंधक
Dy. General Manager	>	उप महा प्रबंधक
Asst. General Manager	>	सहायक महा प्रबंधक
Divisional Manager	>	मंडल प्रबंधक
Chief Manager	>	मुख्य प्रबंधक
Senior Manager	>	वरिष्ठ प्रबंधक
Manager	>	प्रबंधक
Officer	>	अधिकारी
Probationary Officer	>	परिवीक्षाधीन अधिकारी
Asst. Manager	>	सहायक प्रबंधक
Clerk	>	लिपिक
Cashier	>	रोकड़िया
Special Assistant	>	विशेष सहायक
Attender	>	परिचर
Single Window Operator	>	एकल खिड़की परिचालक
HKP	>	एचकेपी – सफाई कर्मी सह परिचर

हिंदी टिप्पण का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सहायक सामग्री

Approved	अनुमोदित
Sanctioned	मंजूर
Permitted	अनुमति दी जाती है
I agree	मैं सहमत हूँ
Yes	हाँ/ठीक है
OK	ठीक है
Noted	नोट किया
Discuss	चर्चा करें
For approval	अनुमोदनार्थ
For perusal	अवलोकनार्थ
Issue circular	परिपत्र जारी करें
May be considered	विचार किया जाए/ जा सकता है
May be permitted	अनुमति दी जाए/ सकती है
Explanation may be called for	स्पष्टीकरण मांगा जाए
Reply immediately	तत्काल जवाब / उत्तर दें
Forwarded	अग्रेषित
Give top priority	सर्वोच्च प्राथमिकता दें
Kindly acknowledge receipt	कृपया पावती दें
May be treated as closed	समाप्त समझा जाए
Issue reminder	अनुस्मारक जारी करें
Please Follow up	कृपया अनुवर्ती कार्रवाई करें

"संबलपुर क्षेत्र में केनरा बैंक- छवि निर्माण के अवसर एवं चुनौतियां" विषय पर हिन्दी में संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन"

****

प्रधान कार्यालय के निदेशों के अनुपालन में, हमारे कार्यालय में दिनांक **08.04.2021** को **"संबलपुर क्षेत्र में केनरा बैंक- छवि निर्माण के अवसर एवं चुनौतियां" विषय पर हिन्दी में संगोष्ठी कार्यक्रम** का आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री लोकनाथ, क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक द्वारा की गई। संगोष्ठी में क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के कार्यपालक श्री एस के नायक,मंडल प्रबंधक एवं आरएएच, संबलपुर के मुख्य प्रबंधक श्री एम मुआखिया एवं क्षेत्रीय कार्यालय सहित, अएंठापाली शाखा, बुढ़ारजा शाखा, संबलपुर मुख्य शाखा के स्टाफ सदस्य शामिल रहे। यह संगोष्ठी स्टाफ सदस्यों मुख्य रूप से नवपदोन्नत अधिकारियों/प्रबंधकों के लिए आयोजित की गई थी।

श्री विश्वनाथ प्रसाद साहू, अधिकारी (राजभाषा) ने कार्यक्रम में उपस्थित कार्यपालकों एवं स्टाफ सदस्यों का स्वागत किया एवं अध्यक्ष की अनुमति से आरंभ किया।

अध्यक्ष महोदय श्री लोकनाथ ने सभी स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया एवं नवपदोन्नत अधिकारियों/प्रबंधकों को बधाईयां देते हुए कहा कि पदोन्नति अपने साथ दायित्व निहित होता है अतः इन दायित्वों के निर्वहन के लिए तैयार रहें और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करते हुए बैंक की प्रगति में योगदान दें। साथ ही, कहा कि आज की संगोष्ठी के विषय **"संबलपुर क्षेत्र में केनरा बैंक- छवि निर्माण के अवसर एवं चुनौतियां"** को वतर्मान समय की अपेक्षाओं के अनुरूप रखा गया है। केनरा बैंक ने संबलपुर में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में एक अग्रणी बैंक के रूप में अपनी छवि बनाई है। उन्होंने कहा कि हमें "लोकल फॉर वोकल" बनते हुए ओडिया भाषा को प्राथमिकता देनी होगी।

राष्ट्रकवि—रामधारी सिंह "दिनकर"

स्वतंत्रता पूर्व के विद्रोही कवि रामधारी सिंह "दिनकर" आजादी के बाद राष्ट्रकवि के नाम से प्रसिद्ध हुए। उनकी कविताओं में ही नहीं , बल्कि उनके निबंधों में भी राष्ट्र-चिंतन की झलक मिलती है। 23 सितंबर, 1908 को सिमरिया ग्राम, मुंगेर बिहार में जन्मे दिनकर छायावदोत्तर-कवियों की पहली पीढ़ी में से एक थे। मैट्रिक के बाद 1928 में दिनकर पटना आ गए और इतिहास में ऑनर्स के साथ 1932 में बी.ए. किया। अगले ही वर्ष एक नए खुले स्कूल में प्रधानाध्यापक नियुक्त हुए। वर्ष 1934 में उन्होंने बिहार सरकार के अधीन सब-रजिस्ट्रार के पद पर कार्य किया। वर्ष 1947 में वे बिहार सरकार में प्रचार विभाग के उपनिदेशक और वर्ष 1950 में मुजफ्फरपुर कॉलेज में हिंदी विभागाध्यक्ष हुए। वर्ष 1952 में वे राज्यसभा के सदस्य बने। वे 12 वर्षों तक सांसद रहे। फिर वे भागलपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति बने। वे भारत सरकार के हिंदी सलाहकार भी रहे।

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार, दिनकर जी गैर-हिंदी भाषियों के बीच हिंदी के सभी कवियों में सबसे अधिक लोकप्रिय थे और अपनी मातृभाषा से प्रेम करने वालों के प्रतीक थे। हरिवंशराय बच्चन ने एकबार दिनकर जी के बारे में कहा था कि उन्हें एक नहीं, चार ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें गद्य, पद्य भाषा और हिंदी भाषा की सेवा के लिए अलग-अलग ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया जाना चाहिए। 24 अप्रैल, 1974 को उनका देहांत हुआ।

पुरस्कार एवं सम्मान: कुरूक्षेत्र पर साहित्यकार संसद (इलाहाबाद) पुरस्कार (1948), नागरी प्रचारिणी सभा का द्विवेदी पदक (दो बार), उर्वशी पर उत्तर प्रदेश सरकार का पुरस्कार, नागरी प्रचारिणी सभा का रत्नाकर पुरस्कार, बलदेव दास पदक, संस्कृति के चार अध्याय पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार (1960), पद्मभूषण (1959), वर्ष 1972 में काव्य नाटक उर्वशी पर ज्ञानपीठ पुरस्कार।

दिनकर की रचनाएं:

आलोचनात्मक ग्रंथ: मिट्टी की ओर, पंत-प्रसाद और मैथलीशरण, काव्य की भूमिका।

सांस्कृतिक ग्रंथ: संस्कृति के चार अध्याय, हमारी सांस्कृतिक एकता, भारतीय एकता, राष्ट्रभाषा तथा राष्ट्रीय एकता।

निबंध साहित्य: अर्धनारीश्वर, वट पीपल, साहित्य मुखी, राष्ट्र भाषा आंदोलन और गांधी जी, विवाह की मुसीबतें, आधुनिक बोध।

यात्रा साहित्य: देश विदेश, मेरी यात्राएं।

डायरी सहित्य: दिनकर की डायरी।

कथा और गद्य काव्य: उजली आग।

खंड काव्य: कामायनी, कुरूक्षेत्र, रेणुका, हुंकार, रश्मिरथी

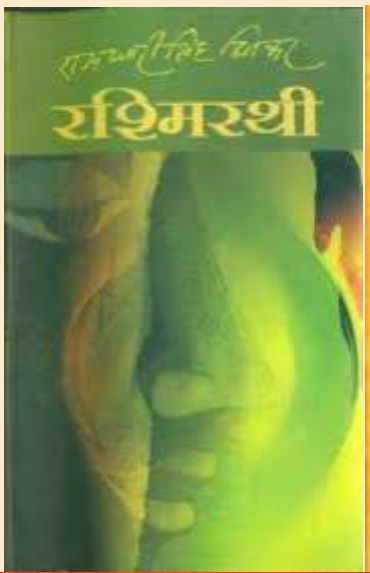

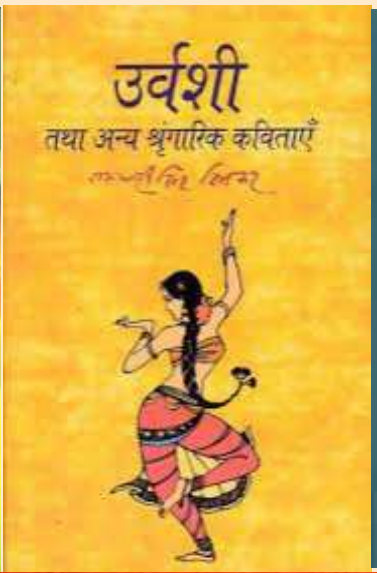

परनिंदा का पाप

एक राजा के दरबार में ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया। छप्पनभोग महल के खुले आंगन में बनवाए गए। उसी वक्त अनजाने में एक हादसा हो गया। खुले में पक रही रसोई के ऊपर से एक चील अपने पंजे में जिंदा सांप दबोचकर निकल रही थी। सांप ने चील के पंजों से छुटकारा पाने के लिए फुफकार भरी और साथ ही जहर उगला। उसके मुख से निकली जहर की कुछ बूंदें पाकशाला में पक रही रसोई के व्यंजनों में गिर गईं। जहरीले भोजन के खाने से सभी ब्राह्मण काल के गाल में समा गए। जब राजा को इस बात का पता चला तो ब्रह्महत्या के पाप ने उसको दुखी कर डाला ऐसे में सबसे ज्यादा मुश्किल खड़ी हो गई यमराज के लिए कि आखिर इस पाप का भागी कौन है और ब्रह्महत्या के पाप के लिए किसको दंड दिया जाए। सबसे पहला नाम राजा का आया क्योंकि राजा ने ब्राह्मणों को भोजन के लिए आमंत्रित किया था। यमराज के मन में दूसरा नाम आया रसोइये का जिसने ब्राह्मणों लिए महाप्रसाद तैयार किया था। राजा को तीसरा ख्याल चील का आया जो सांप को पकड़कर ले जा रही थी।

सबसे अंत में यमराज ने सांप के पाप पर विचार किया। लंबे समय तक यमराज अनिर्णय की स्थिति में रहे कि आखिर ब्रह्महत्या का दंड किसको दिया जाए। घटना के कुछ समय बाद कुछ ब्राह्मण राजा से मिलने के लिए उसके महल में जा रहे थे। ब्राह्मणों ने एक महिला से महल का रास्ता पूछ लिया। तब महिला ने ब्राह्मणों को रास्ता बताते हुए कहा' देखो भाई जरा ध्यान से जाना। वह राजा ब्राह्मणों को खाने में जहर देकर मार देता है।

जैसे ही महिला ने यह बात कही यमराज ने फैसला कर लिया कि मृत ब्राह्मणों के पाप का फल इस महिला के खाते में जायेगा और यह दंड भोगेगी। यमदूतों ने यमराज से पूछा -" प्रभु एसा क्यों ? तब यमराज ने कहा - ' जब कोई व्यक्ति पाप करता है तो उसको पापकर्म करने में बड़ा आनंद आता है।

ब्राह्मणों की मौत से न तो राजा को , न रसोईये को , न चील को और न ही सांप को आनंद आया ये सभी इस अपराध से अनजान भी थे। महापाप की इस दुर्घटना का इस महिला ने जोर - शोर से बखान कर जरूर मजा लिया। इसलिए ब्रह्महत्या का यह पाप इसके खाते में जाएगा।

अक्सर हम यही सोचते हैं कि हमने कभी कोई बड़ा पाप नहीं किया है उसके बावजूद हमको किस बात का दंड मिल रहा।

यह दंड वही होता है , जो हम परनिंदा का पाप कर संचित करते रहते हैं ।

ॐ

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर के सदस्य सचिव श्री बी आर कलिहारी साहू एवं राजभाषा अधिकारी श्रीमती तुलिका बिश्वास द्वारा नराकास की पत्रिका संबलप्रभा के नवम अंक की प्रति हमारे क्षेत्रीय कार्यालय के मंडल प्रबंधक श्री विकास राव को प्रदान करते हुए।

छायावादी काव्य रचना

“अरुण यह मधुमय देश हमारा”

अरुण यह मधुमय देश हमारा।

जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।।

सरल तामरस गर्भ विभा पर, नाच रही तरुशिखा मनोहर।

छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा।।

लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे।

उड़ते खग जिस ओर मुँह किए, समझ नीड़ निज प्यारा।।

बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल।

लहरें टकरातीं अनन्त की, पाकर जहाँ किनारा।।

हेम कुम्भ ले उषा सवेरे, भरती ढुलकाती सुख मेरे।

मंदिर ऊँघते रहते जब, जगकर रजनी भर तारा।।

****

- जयशंकर प्रसाद

राजभाषा संबंधी गतिविधियां— अप्रैल से जून 2021

08.04.2021	हिंदी में संबलपुर क्षेत्र में केनरा बैंक - छवि निर्माण के अवसर और चुनौतियां संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन
13.04.2021	क्षेत्र की सभी शाखाओं कार्यालयों ने एसएएस पैकेज के माध्यम से एसटीआर-18 की प्रस्तुति करना सुनिश्चित किया
16.04.2021	नराकास, संबलुपर के तत्वावधान में हिदी पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन
29.04.2021	अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित कार्यशाला में नामांकन
31.05.2021	एमसीएल द्वारा आयोजित सुलेख प्रतियोगिता में तीन अधिकारियों को नामित किया गया
31.05.2021	क्षेत्रीय कार्यालय की पत्रिका के पहले अंक "पश्चिमांचल विभा" का प्रकाशन
11.06.2021	नराकास, केंदुझर की 20वीं छमाही बैठक में सहभागिता
11.06.2021	मुद्रा तिजोरी संबंधी अनुदेश पुस्तिका के 29 पृष्ठ का अनुवाद करते हुए प्रेषित किया गया
16.06.2021	तिमाही हिंदी कार्यशाला का आयोजन
22.06.2021	बउध शाखा में “दबावग्रस्त आस्तियों की पहचान और उनका प्रबंधन” विषय पर हिन्दी परिचर्चा का आयोजन
22.06.2021	रेढ़ाखोल शाखा एवं बउध शाखा का राजभाषाई निरीक्षण
24.06.2021	बलांगीर I एवं II शाखा का राजभाषाई निरीक्षण
25.06.2021	राजभाषा अनुभाग,प्रधान कार्यालय द्वारा "साइबर सुरक्षा के उपाय एवं जागरूकता" पर आयोजित की गई अखिल भारतीय अंतरा बैंक राजभाषा संगोष्ठी में भाग लिया
28.06.2021	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की छमाही बैठक में क्षेत्रीय प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी द्वारा भाग लिया गया
29.06.2021	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

'लोकपर्व'

नुआखाई

नुआखाई ओड़िशा का विशेषकर पश्चिम ओडिशा का प्रमुख लोक-पर्व है। यह कृषि संस्कृति और ऋषि संस्कृति पर आधारित त्यौहार है। नुआखाई भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन मनाया जाता है। 'नुआखाई' का शाब्दिक अर्थ है 'नया खाना' (नुआ = नया, खाई = खाना)। यह त्यौहार मुख्य रूप से कृषि से जुड़ा हुआ है। वर्षा ऋतु के दौरान भादों महीने के शुक्ल पक्ष में खेतों में धान की नई फसल, विशेष रूप से जल्दी पकने वाले धान में बालियां आने लगती हैं। तब नई फ़सल के स्वागत में नुआखाई का आयोजन होता है। लोग 'नुआखाई जुहार' और 'भेंटघाट' के लिए एक-दूसरे के घर आते-जाते हैं। इस दिन परिवार का प्रत्येक सदस्य घर में उपस्थित रहता है।

इस दिन फसलों की देवी अन्नपूर्णा सहित सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। सम्बलपुर में समलेश्वरी देवी, बलांगीर-पाटनागढ़ अंचल में पाटेश्वरी देवी, सुवर्णपुर (सोनपुर) में देवी सुरेश्वरी और कालाहांडी में देवी मानिकेश्वरी की विशेष पूजा की जाती है। गाँव के मुख्य पुजारी इसके लिए तिथि और मुहूर्त तय करते थे, लेकिन अब नुआखाई का दिन और समय सम्बलपुर

स्थित जगन्नाथ मंदिर के पुजारी तय करते हैं। इस दिन गाँवों में लोग अपने ग्राम देवता या ग्राम देवी की भी पूजा करते हैं।

नुआखाई के एक दिन पहले नये धान की बालियों के साथ चुड़ा (चिवड़ा), मूंग और परसा पत्तों और पूजा के फूल खरीद लिए जाते हैं।

नये धान के चावल को पकाकर तरह-तरह के पारम्परिक व्यंजनों के साथ घरों में और सामूहिक रूप से भी "नवान्हभोज" (नवान्नभोज) यानी नये अन्न का भोज बड़े चाव से किया जाता है। सबसे पहले आराध्य देवी-देवताओं को भोग लगाया जाता है। प्रसाद ग्रहण करने के बाद 'नुआखाई ' का सह-भोज होता है।

इस दिन के लिए 'अरसा पीठा' व्यंजन विशेष रूप से तैयार किया जाता है। नुआखाई त्यौहार के आगमन के पहले लोग अपने-अपने घरों की साफ-सफाई और लिपाई-पुताई करके नई फसल के रूप में देवी अन्नपूर्णा के स्वागत की तैयारी करते हैं। परिवार के सदस्यों के लिए नये कपड़े खरीदे जाते हैं।

लोग एक -दूसरे के परिवारों को नवान्ह भोज के आयोजन में स्नेहपूर्वक आमंत्रित करते हैं। इस विशेष अवसर के लिए लोग नये वस्त्रों में सज-धजकर एक-दूसरे को नुआखाई जुहार करने आते-जाते हैं। गाँवों से लेकर शहरों तक खूब चहल-पहल और खूब रौनक रहती है। सार्वजनिक आयोजनों में पश्चिम ओड़िशा की लोक संस्कृति पर आधारित पारम्परिक लोक नृत्यों की धूम रहती है। नुआखाई पर्व को ओडिशा की सीमा पर सटे छत्तीसगढ़ के जिलों जैसे रायगढ़, महासमुंद, जशपुर नगर आदि जिलों में पड़ोसी राज्य की तरह उत्कल संस्कृति से जुड़े लाखों लोग इसे पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ हर्षोल्लास से मनाते हैं।

ଓଃ୦ଃଌ

नराकास,संबलपुर के तत्वावधान में दिनांक 16.04.2021 को हिंदी पत्र-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

नगर कार्यान्वयन समिति (नराकास), संबलपुर के पत्रांक एमसीएल/राजभाषा/ नराकास /4/21/01 दिनांक 02.04.2021 के अनुपालन में, राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं दैनिक कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हमारे कार्यालय द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर के तत्वावधान में केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर द्वारा नराकास के सदस्य कार्यालय के सदस्यों के लिए **"हिन्दी पत्र लेखन प्रतियोगिता"** का आयोजन दिनांक 16.04.2021 शायं 04.00 से 5.00 बजे को किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए 4 विषय दिए गए थे। जिसमें प्रतिभागियों को 2 विषय पर पत्र लिखने थे।

हिन्दी पत्र-लेखन प्रतियोगिता में कुल 12 संस्थाओं के 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीआरपीएफ के श्री सुधीर ओहदार को प्रथम, महानदी कोल्फील्डस लिमिटेड के श्री अनिल कुमार को द्वितीय स्थान एवं यूनियन बैंक के सुश्री मेघा पॉल को तृतीय स्थान मिला।

राउरकेला में ग्राहकों की बैठक सह एमएसएमई कैंप

CUSTOMER MEETING CUM MSME CAMP AT ROURKELA

केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के तहत राउरकेला मुख्य शाखा (0395) में दिनांक 06.08.2021 को *"ग्राहकों की बैठक एवं एमएसएमई कैंप"* का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर से पधारे अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री बी एल मीना जी ने की। इस बैठक में क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार जग्गा जी, राउरकेला मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक श्री एस एस परमार जी एवं राउरकेला नगर में स्थित शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक में हमारे मौजूदा ग्राहकों के साथ-साथ संभावित ग्राहकों ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान ग्राहकों के प्रस्तावों पर व्यापकरूप से चर्चा की गई एवं उनसे सुझाव लिए गए। इस बैठक में लगभग रू. 170.25 करोड़ का संभावित कारोबार सृजित किया गया।

We are pleased to inform that we conducted a *"Customer Meeting cum MSME Camp"* at our Rourkela Main (0395) branch on 06.08.2021. The meeting was chaired by our beloved Circle Head & General Manager Shri B L Meena sir. Regional Head, RO Sambalpur, Shri Ajit Kumar Jagga, Chief Manager, Rourkela Main Branch Shri S.S. Parmar and Branch heads of Rourkela city branches were present in the meeting. A good number of customers attended the meeting. The proposals of the customers were discussed in detail and suggestions from the customers were taken in the meeting. Total leads generated during the meeting were Rs. 170.25 Crores.

राउरकेला में वृक्षारोपण एवं व्यावसायिक ईकाई का दौरा

राउरकेला मुख्य शाखा में *"ग्राहकों की बैठक एवं एमएसएमई कैंप"* के आयोजन के बाद अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री बी एल मीना जी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक पहल करते हुए म्युनिशिपल कॉलेज राउरकेला में वृक्षारोपण किया तथा ग्राहकों के व्यावसायिक इकाईयों का भी दौरा किया। इन अवसरों पर क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजीत कुमार जग्गा जी एवं राउरकेला मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक श्री एस एस परमार जी उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक द्वारा म्युनिशिपल कॉलेज राउरकेला में वृक्षारोपण

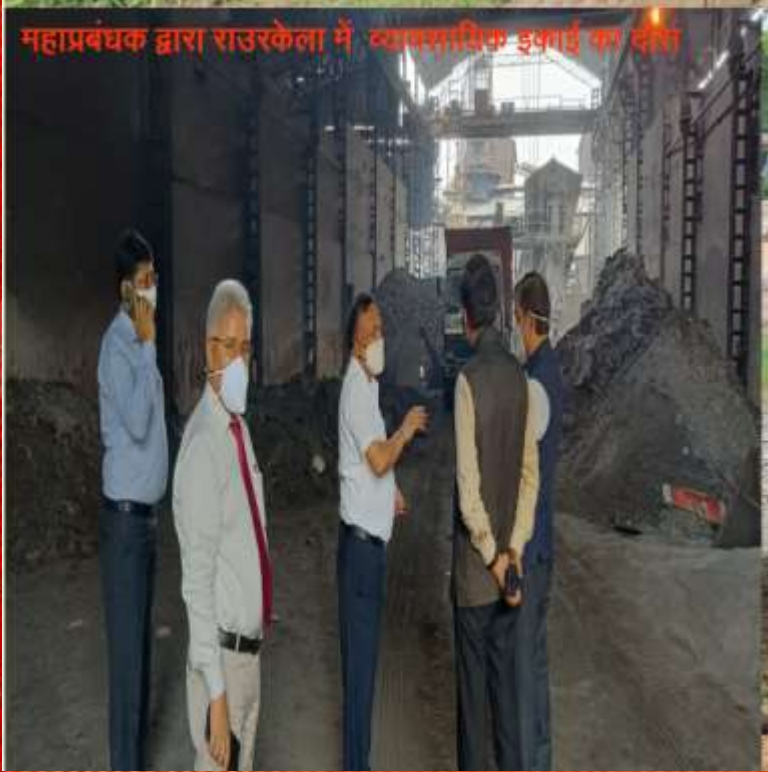

स्वर्ण ऋण का पुनर्मूल्यांकन

बैंक के दिशानिर्देशों के अनुपालन में, शाखाओं में स्वर्ण ऋण खातों से संबद्ध आभूषणों का पुनर्मूल्यांकन किया गया।

दिनांक 27.08.2021 को पर्लिमाल शाखा में मंडल प्रबंधक श्री विकास कुमार राव की उपस्थिति में स्वर्ण ऋण खातों से संबद्ध आभूषणों का पुनर्मूल्यांकन।

दिनांक 27.08.2021 को कंटाबांजी शाखा में मंडल प्रबंधक श्री विकास कुमार राव की उपस्थिति में स्वर्ण ऋण खातों से संबद्ध आभूषणों का पुनर्मूल्यांकन।

केनरा बैंक Canara Bank

सं.सं./Ref.No.: 112 /7983/राभाक/क्षेकास/2021

दिनांक: 08.07.2021

सराहनीय कार्य-निष्पादन

जून 2021 हेतु एसटीआर-18 रिपोर्ट ससमय प्रस्तुत करने वाली क्रमानुसार शाखाएं/कार्यालय :

डीपी कोड	शाखा का नाम	शाखा/कार्यालय प्रभारी का नाम
18061	अएंठापाली शाखा	श्री रूपेश कुमार गढतिया, प्रबंधक
4917	बुढ़ारजा	श्री निराकार भोई, वरिष्ठ प्रबंधक
1498	गोमारडीह माइन्स शाखा	श्री रोशन टेटे, प्रबंधक
3391	केंदुझर शाखा- I	श्रीमतीस्वाति सागरिका पाढ़ी, वरिष्ठ प्रबंधक
4085	दर्लीपाली	श्री सुशील महानंद, शाखा प्रबंधक
4425	झारसुगुड़ा एसएमई शाखा/	श्री बुद्धदेब धुरूआ, वरिष्ठ प्रबंधक
4910	नुआपड़ा शाखा	श्री सुरेश चंद्र बिशी, प्रबंधक
5857	कुसुमी	श्री पतित पाबन साहू, प्रबंधक
8113	रेंगाली करेंसी चेस्ट	श्री सी बी बिलुंग, वरिष्ठ प्रबंधक
17279	राउरकेला फर्टीलाइजर टॉउनशिप	श्री दिनेश अग्रवाल, प्रबंधक
18096	बउध शाखा - II	श्री जुगलाल नाएक, प्रबंधक
185	संबलपुर मुख्य शाखा	श्री देबदत्त लेंका, मुख्य प्रबंधक
2888	राजगांगपुर शाखा	श्री दीपक कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक
4129	सोनपुर शाखा - I	श्री महिमा प्रसाद साहू, प्रबंधक
4135	रेढ़ाखोल शाखा	श्री सौरभ कुमार साहू, प्रबंधक
5826	हांडीभंगा शाखा	श्री जी के पात्र, प्रबंधक
6789	पर्लिमाल शाखा	श्री सुब्रत कुमार मेहेर , प्रभारी अधिकारी

भविष्य में भी प्रभावी राजभाषा कार्यान्वयन की अपेक्षा एवं शुभकानाओं के साथ,

(अजीत कुमार/AJIT KUMAR)
क्षेत्रीय प्रमुख/ Regional Head

राजभाषा कक्ष,सामान्य प्रशासन अनुभाग,क्षेत्रीय कार्यालय,संबलपुर/ OL Cell, GA Section, RO, Sambalpur

Utkal Gramya Bank

Marketing Section, Circle Office, Bhubaneswar

Bulletin No: 31/MKTG/CO/BBSR/2021-22

13th Sep, 2021

Congratulations!

GOVT BUSINESS SEPT -2021 TARGET ACHIEVED

SAMBALPUR RO
&
THEIR VIBRANT TEAM
FOR ACHIEVING GOVT. BUSINESS TARGET
FOR SEPT Qtr 2021

RO NAME	APY		PPF		SSA	
	TARGET	ACHIEVED	TARGET	ACHIEVED	TARGET	ACHIEVED
SAMBALPUR RO	2352	2361	338	338	130	142

SRI AJIT KUMAR
REGIONAL HEAD

SRI SUSANT KUMAR NAIK
OVERSEEING EXECUTIVE

RO HEAD	OVERSEEING EXECUTIVE	MIPD INCHARGE
SRI AJIT KUMAR	SRI SUSANTA KUMAR NAIK	SRI SUMEET MINZ

B L MEENA
GENERAL MANAGER

हमारे बैंक के प्रिम संस्थापक
स्वर्गीय श्री अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै

"एक अच्छा बैंक न केवल समाज का वित्तीय हृदय होता है, बल्कि आम आदमी की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए हर संभव तरीके से प्रयास करना उसकी जिम्मेदारी है"

एक महान मानवप्रेमी, स्वर्गीय श्री अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै द्वारा वर्ष 1906 में "केनरा हिन्दु परमानेंट फंड" नाम से बोया गया यह छोटा-सा बीज 1910 में "केनरा बैंक लिमिटेड" नामक लिमिटेड कंपनी और 1969 में राष्ट्रीयकरण के बाद केनरा बैंक के रूप में पल्लवित हुआ।

स्थापना के सिद्धांत

1. अंधविश्वास और अज्ञान को दूर करना
2. पहले सिद्धांत की पूर्ति हेतु शिक्षा का प्रसार करना
3. मितव्ययिता एवं बचत की आदत विकसित करना
4. वित्तीय संस्था को न केवल समाज का वित्तीय हृदय बल्कि सामाजिक हृदय बनाना
5. जरूरतमंदों की मदद करना
6. सेवा और समर्पण की भावना के साथ काम करना
7. सहजीवियों के प्रति चिंता तथा परिवर्तन लाने/तकलीफ और दिक्कतों को दूर करने की दृष्टि से परिवेश के प्रति संवेदना विकसित करना।